अनुक्रम

भूमिका	*v*
आज का भारत और इतिहास की समस्याएँ : गाँधी	**21**
विदेशी पूंजी और आर्थिक स्वाधीनता	23
उपनिवेशों में पराधीन देशों के मजदूर	36
उपनिवेशों में पराधीन देशों के व्यापारी, काश्तकार, इत्यादि	50
बर्बरता और संस्कृति	62
दक्षिण अफ्रीका में साम्राज्य विरोधी आंदोलन	69
गिरमिटियों के भाईबंद—बिहार के किसान	102
स्वराज्य और गुजरात के किसान	116
युद्ध और साम्राज्य में भागीदारी	133
साम्राज्यवाद की आलोचना	180
साम्राज्य विरोधी संघर्ष और मज़दूर	190
साम्राज्यविरोधी संघर्ष और किसान	200
खिलाफत और स्वराज्य	215
वाम पक्ष का अभ्युदय	225
सविनय अवज्ञा और पदग्रहण	235
संघर्ष के नए रास्ते, नए मुद्दे	247
युद्ध और सविनय अवज्ञा	258
स्वाधीनता आन्दोलन की नई मंज़िल	268
संविधान सभा और स्वाधीनता	281
तोलस्तोय, अहिंसा और सत्याग्रह	297
ग्रामसमाज, चरखा और उद्योगीकरण	305
अहिंसात्मक हृदयपरिवर्तन और भारत का विभाजन	313

पूंजी, श्रम और वर्ग संघर्ष 326
पूंजीपति और कांग्रेस 335
युद्ध, समाजवाद और लोकतंत्र 344
स्वाधीनता आंदोलन और प्रादेशिक पुनर्गठन 353
मुक्ति संघर्ष और जातीय अस्मिता 362
जातीय भाषा और शिक्षातंत्र 375
जातीय पुनर्गठन और अछूत 382
सामाजिक यथार्थ और इतिहास-बोध 395
जातीय भाषा और राष्ट्रभाषा 404
हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी 412
हिंदी प्रदेश और हिंदी 420
दर्शन, विज्ञान और जीवन-पद्धति 425
कलात्मक गद्यलेखन 441
साहित्य और संगीत 458
कला कौशल और सौन्दर्य बोध 477

आज का भारत और इतिहास की समस्याएँ : आम्बेडकर 483

भारत के प्राचीन इतिहास में आर्य-द्रविड़ समस्या 486
भारत के आर्थिक विकास की रूपरेखा 490
अंग्रेजी राज में भारत 501
आर्य और शूद्र 510
क्षत्रिय-ब्राह्मण संघर्ष कथा 521
संपत्तिशाली वर्ग और धर्म-संघ 531
ग्राम-समाज और भारतीय जीवन-मूल्य 537
अंग्रेजी राज में शूद्र और अछूत 544
ब्रिटिश कूटनीति के जाल में अछूत और मुसलमान 551
आम्बेडकर के बहिष्कृत सहयोगी 558
पूँजीवादी व्यवस्था में सामन्ती अवशेष—जाति-प्रथा 564
जातीय समस्या और मुसलमान 571
पाकिस्तान—निरर्थक, फिर भी अनिवार्य 577
स्वाधीनता आन्दोलन के अधूरे काम और मजदूर वर्ग 585
लोकतंत्र और लोकहित 595
जनवादी क्रान्ति और मजदूर वर्ग 601

बुद्ध या मार्क्स 614
विज्ञान और धर्म 629
उपसंहार 637

आज का भारत और इतिहास की समस्याएँ : लोहिया 643

भारतीय इतिहास में वर्णहीन समाज 645
वर्णविहीन समाज में नारी 649
कुल संपत्ति का उद्‌भव और गण समाजों की विभिन्न अवस्थाएँ 655
बर्बरता और वीरगाथा काल 661
क्षत्रिय वर्ण का उद्‌भव 666
संघ शासन और क्षत्रिय 668
इतिहास का पुरोहितीकरण 670
ऋग्वेद की समाज व्यवस्था 674
श्रम का विशेषीकरण और शूद्रों का उद्‌भव 680
श्रम विभाजन और जाति-प्रथा 683
राज्यसत्ता और सभ्यता का विकास : व्यापारी वर्ग की भूमिका 687
राज्यसत्ता का उद्‌भव, भूस्वामी वर्ग की भूमिका 692
भारत में आर्यों का प्रवेश—इतिहास की समस्या और राजनीति की समस्या 695
द्रविड़ शूद्र समस्या 713
आरक्षण और पिछड़ी हुई जातियां 720
सामंती अवशेष और नारी समस्या 733
हिन्दू-मुस्लिम समस्या 739
धर्म संस्कृति और इतिहास 767

संदर्भिका—आम्बेडकर 775
संदर्भिका—लोहिया 781